बुझौवल

डॉ. सरोज गुप्ता
डॉ. हरीमोहन गुप्ता

बुझौवल

(बुन्देलखण्डी पहेलियाँ)

संकलन
डॉ. सरोज गुप्ता
डॉ. हरी मोहन गुप्ता

सहयोग
श्रीमती संगीता सुहाने

प्रकाशन
बुन्देली लोक साहित्य संस्थान, सागर (म. प्र.)

ISBN 81-904141-4-3

बुझौवल - बुन्देलखण्डी पहेलियाँ

प्रकाशक - बुन्देली लोक साहित्य संस्थान,
स्नेह नगर, मधुकर शाह वार्ड
सागर (म. प्र.)

कॉपी राइट - लेखकाधीन

संस्करण - प्रथम 2005

मूल्य - 45.00

लेजर कम्पोजिंग - रॉयल कम्प्यूटर्स
वन वे रोड, सागर
दूरभाष : 244289, 9425152106

अनुक्रम

भूमिका

बुन्देलखण्डी पहेलियाँ : एक परिचय

1.	खेती किसानी सम्बन्धी पहेलियाँ	5
2.	भोज्य पदार्थ सम्बन्धी पहेलियाँ	7
3.	घरेलू वस्तु सम्बन्धी पहेलियाँ	14
4.	प्राणि/जीवजन्तु सम्बन्धी पहेलियाँ	20
5.	प्रकृति सम्बन्धी पहेलियाँ	23
6.	शरीर सम्बन्धी पहेलियाँ	26
7.	प्रकीर्ण पहेलियाँ	28
8.	खेल सम्बन्धी पहेलियाँ	31
9.	अस्त्र-शस्त्र सम्बन्धी पहेलियाँ	32

बुंदेलखण्डी पहेलियाँ : एक परिचय

मानव की प्रवृत्ति रहस्यात्मक है। वह ऐसी भाषा का प्रयोग करता है कि उसके कथन को सर्व साधारण समझ न सके। उसकी यही प्रवृत्ति पहेली का रुपधारण करती है। मनुष्य की गोपनीय प्रवृत्ति पहेली की उत्पत्ति का कारण है। पहेली प्रश्न या रहस्य के माध्यम से व्यक्त की जाती है। डॉ. फ्रेजर ने लिखा है कि पहेलियों की रचना उस समय हुई होगी जब कुछ कारणों से वक्ता को स्पष्ट शब्दों में किसी बात को कहने में किसी प्रकार की अड़चन पड़ती होगी। जब हम ऐसी कथन पद्धति का आश्रय लेते हैं जो दुर्बोध होती है। यही पहेली बन जाती है।

पहेली की परिभाषा

किसी वस्तु विशेष के सम्बन्ध में कही गयी वह चमत्कार पूर्ण उक्ति पहेली है जिसमें वस्तु का नाम सीधे न बतलाकर गोपनीयता से बतलाया जाता है और जिसमें बुद्धि कौशल व कलात्मक अभिव्यक्ति, प्रधान रहती है।

कहावत और पहेली में मौलिक भेद निम्नवत है –

1. कहावत मार्मिक तथा शीघ्र प्रभाव डालने वाली होती है। पहेलियाँ गूढ़ उक्तियाँ होती हैं। उन उक्तियों पर थोड़ी देर सोचने के बाद ही रहस्य खुलता है तथा पहेली का महत्व समझ में आता है।
2. कहावतें सीधे हृदय पर चोट करती हैं। पहेलियाँ हमारे मन को गूढ़ या रहस्य जानने के लिए क्रियावान बनाती हैं।
3. कहावत से मन को आनंद की उपलब्धि होती है और उसकी प्रभावशीलता को हम मानने लगते हैं। पहेलियों से मन को सोचने का अवकाश मिलता है और रहस्य जानने का कौतूहल उत्पन्न होता है। इनसे मानसिक भोजन मिलता है।
4. कहावत में प्राय: एक वाक्य होता है। वह इतना सारगर्भित होता है कि एक ही वाक्य में अर्थ का प्रकटन हो जाता है। पहेलियों में प्रयुक्त वाक्य बड़े भी होते हैं, छोटे भी। चार से पाँच वाक्य भी हो सकते है।